समग्र गव्य विकास योजना की सफलता की कहानी

1. श्री मुकेश मौआर, मौआर खैरा, औरंगाबाद कि "समग्र गव्य विकास योजना" में सफलता की कहानी–

श्री मुकेश मौआर

पिता – श्री रामाश्रय मौआर

ग्राम – मौआर खैरा,

पो0 – ईटहट

प्रखण्ड – बारूण

जिला – औरंगाबाद

मोबाईल नं0– 7781866749

श्री मुकेश मौआर कहते है कि कम आय और रोजगार की अनिश्चितता के कारण मैं 2011–12 में बिहार से रोजगार की तलाश में दिल्ली चला गया था। वहीं एक प्राइवेट कम्पनी में काम करता था। जिसमें मेरी आमदनी बहुत कम होती थी। मेरा परिवार का भरण–पोषण करने में काफी कठिनाई हो रही थी। करीब वर्ष 2018 में अपने गांव मौआर खैरा आया और यही पर कोई व्यवसाय करने का निश्चय किया। उस दौरान मुझे अखबार के माध्यम से डेयरी विकास योजना से संबंधित जानकारी मिला। उसके बाद मैंने जिला गव्य विकास कार्यालय, औरंगाबाद जाकर विस्तार पूर्वक जानकारी प्राप्त किया। जिला गव्य विकास पदाधिकारी, औरंगाबाद के द्वारा मुझे समग्र गव्य विकास योजना जिसमें 50 प्रतिशत एवं 75 प्रतिशत अनुदान से संबंधित योजना की जानकारी मिली। आवेदन करने के बाद मुझे 10 दुधारू मेवशी की योजना का लाभ मिला। जिससे गव्य विकास योजना के सहयोग से मैने डेयरी का व्यवसाय शुरू किया।

गाय पालन के फायदे :–

श्री मौआर बताते है कि दुध के व्यवसाय से मेरी आमदनी में चार गुना की वृद्धि हुई है। डेयरी व्यवसाय से मुझे खेती में भी मदद मिलती है। गाय के गोबर को जैविक खाद के रूप में खेतों में उपयोग किया जिससे खेती का लागत भी काफी कम हो गया। निरंतर साल भर पोषक तत्वों से भरपूर भोजन और आय की स्थिरता को बढाने के लिए यह एक पर्यावरण के साथ मित्रवत संबंध रखने वाली कृषि पद्धति है।

गाय पालन (डेयरी विकास) के परिणाम :–

मुकेश मौआर के अनुसार आज उनके पास 70 गाय है, जिससे 600 लीटर प्रतिदिन दुध का उत्पादन करते है। मौआर मिल्क इम्पोरियम नाम से अपना दो मिल्क बुथ है जिसके माध्यम से स्थानीय लोगों को दुध की आपूर्ति करते हैं। मिल्क बुथ में ऑटोमेटिक दूध भेंडिग मशीन लगा है, जिसके द्वारा कम खर्च में दूध की बिक्री की जा रही है।

गाय पालन (डेयरी विकास) का प्रभाव :–

श्री मुकेश मौआर बताते है कि डेयरी व्यवसाय ने मेरे जीवन में कई खुशियां लाई है ऐसा ही एक खुशी वर्ष 2021 में तब मिली जब बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर द्वारा मुझे उत्कृष्ठ किसान

पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्तमान में श्री मुकेश मौआर के परिवार के सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति पूरी तरह से बदल गई है एवं अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध करा रहे है।

संदेश :–

श्री मुकेश मौआर के अनुसार डेयरी विकास हेतु गव्य पालन करके कम लागत में अधिक दुग्ध उत्पादन कर अपने आय को बढ़ाने एवं अपने आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को सुदृढ़ किये जाने का अच्छा उदाहरण है।

श्री मुकेश मौआर अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्ध सेवाओं के बल पर सीमित भूमि में भी डेयरी विकास में सफल रहे जो दूसरों के लिए एक मूल्यवान मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है।

समाप्त